CURRICULUM 2018-19

Class-VIII Term-I

Subject – Hindi (हिन्दी)

(गद्य भाग)

S. No.	Concept	Objective	Skill	Learning Style	Activity	Subject integration	Outcome	Assessment
	गद्य भाग						वाचन, लेखन, पठन व श्रवण कौशल का विकास करना। अर्थ बोध की क्षमता का विकास करना। ज्ञान को क्रियात्मक रूप देना। विद्यार्थियों में सृजनात्मकता व चिंतन मनन की शक्ति का विकास पाठ से संबंधित भाषा कौशलों व व्याकरणिक कोटियों का ज्ञान। सामाजिक व भावनात्मक कौशलों का विकास करना। संवाद लेखन, कविता लेखन व अभिनय क्षमता का विकास करना। पारिभाषिक शब्दावली का विकास करना।	कहानी का सार सुनना – विषय वस्तु, उच्चारण, प्रस्तुति व आत्मविश्वास के आधार पर आंकलन कविता व कहानी लेखन, विषय वस्तु, वर्तनी, चित्रात्मक अभिव्यक्ति व कल्पना शक्ति के आधार पर आंकलन नाटकमंचन–विषय वस्तु, प्रस्तुतीकरण, हावभाव इत्यादि पर आंकलन। लेखन व वाचक द्वारा अभिव्यक्ति की क्षमता का मूल्यांकन मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति का आकलन। श्रवण कौशल का आंकलन्–सुनाए गए गद्याशों के आधार पर। पत्र की आत्मकथा, प्रस्तुति व वर्तनी के आधार पर आकलन। संवाद लेखन–विषय वस्तु, संवादों की सटीकता वर्तनी के आधार पर। पोस्टर में सृजनात्मकता, नारा लेखन में प्रस्तुती को आकलन का आधार माना जाएगा।
1.	लाख की चूड़ियाँ	(सामान्य उद्देश्य)	पठन, वाचन, लेखन व श्रवण कौशल का विकास, जीवन कौशलों, सामाजिक कुशलता व भावनात्मक कुशलता का विकास,सृजनात्मक, चिंतन का विकास। समानुभूति का विकास चिंतन का विकास। निर्णय लेने की क्षमता का विकास। स्वयं की पहचान। चिंतन कौशल का विकास।	**Linguistic**	सामाजिक विज्ञान वस्तु विनिमय की पद्धति पर लिखवाना। सामाजिक ज्ञान – समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार पर चर्चा	कहानियाँ पढ़ना – Eng		
2.	बस की यात्रा	रचनात्मकता का विकास, अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास, चिंतन –मनन की शक्ति का विकास, हिन्दी भाषा के प्रति रूचि पैदा करना, वाचन के अनुरूप लेखन का विकास।						
3.	क्या निराश हुआ जाए			**Interpersonal**		समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार – सामाजिक विज्ञान		
4.	चिट्ठियों की अनूठी दुनिया							
*	पूरक–पुस्तक (भारत की खोज)							
	पृष्ठ (1–72)			**Intrapersonal**	सुभद्राकुमारी चौहान की कहानियाँ पढ़कर किसी एक कहानी का सार स्वयं लिखना।	अन्य सभी विषयों के साथ एकाकार इतिहास–वस्तु विनियम पद्धति		
	विशिष्ट उद्देश्य	ज्ञान को क्रियात्मक रूप देना। पाठ के मूल भाव को समझना तथा अर्थ बोध की क्षमता का विकास		**Logical**	चर्चा			

		(विशिष्ट उद्देश्य) 1. लाख की चूड़ियाँ – श्रम का महत्व, परम्पराओं का निर्वहण करते हुए नए युग के साथ सामंजस्य स्थापित करना।		**Kinesthetic Badily**	'बस की यात्रा' का संवाद लेखन व नाटक मंचन।			
4.		2. बस की यात्रा – जागरूकता, अपरिचितो से संपर्क स्थापित करने में सावधानी बरतना, स्वतंत्रता से पूर्व तथा अब तक के यात्रा के साधनों में आए परिवर्तन		**Visual / Spatial**	कहानी को चित्र के माध्यम से प्रस्तुत करना। 'डांक घर' पर वीडियो फिल्म दिखाना			
		सकारात्मक सोच, आधुनिक संचार साधनों के लाभ व हानियाँ। क्या निराश हुआ जाए आशावादी होना, जागरूकता, सपने देखना, सकारात्मकता		**Naturalistic**	प्रकृति का अवलोकन व दिए गए संबंधित विषयों पर लेख व वर्ग पहेली			

CURRICULUM 2018-19
Class-VIII
Term-II
Subject – Hindi (हिन्दी)
(गद्य भाग)

S.No.	Concept	Objective	Skill	Learning Style	Activity	Subject integration	Outcome	Assessment
	गद्य भाग	(सामान्य उद्देश्य)					वाचन, लेखन, पठन व श्रवण कौशल का विकास करना। अर्थ बोध की क्षमता का विकास करना। ज्ञान को क्रियात्मक रूप देना। छात्रों में सृजनात्कता व चिंतन मनन की शक्ति का विकास। कल्पना शक्ति का विकास। पाठ से संबधित भाषा कौशलों व व्याकरणिक कोटियों का ज्ञाना सामाजिक	बाद–विवाद प्रतियोगिता विषयवस्तु, तर्क–वितर्क की क्षमता, भाव–भंगिमाओ व प्रस्तुतीकरण के आधार पर आकलन। कविता व कहानी लेखन विषय वस्तु, वर्तनी चित्रात्मक अभिव्यक्ति व कल्पना शक्ति के आधार पर आकलन। नाटकमंचन विषय वस्तु, प्रस्तुतीकरण, हावभाव पर आंकलन। लेखन व वाचन द्वारा अभिव्यक्ति की क्षमता का मूल्यांकन। मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति का आकलन। श्रवण कौशल का आकलन सुनाए गए गद्यांशों के आधार पर।
			पठन, वाचन, लेखन व श्रवण कौशल का विकास जवन कौशलों सामाजिक कुशलता व भावनात्मक कुशलता का विकास, सृजनात्मकता, चिंतन का विकास। समानुभूति का विकास। निर्णय लेने की क्षमता का विकास। स्वयं की पहचाना चिंतन कौशल का विकास।	**Linguistic**	पठन, कहानी से आगे – कहानी पूरी करना	सामाजिक विज्ञान – अकबर एवं जहाँगीर का ऐतिहासिक ज्ञान।		
5.	कामचोर	रचनात्मकता का विकास, अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास, चिंतन–मनन की शक्ति का विकास, हिन्दी भाषा के प्रति रूचि पैदा करना, वचन के अनुरूप लेखन का विकास। ज्ञान को क्रियात्मक रूप देना। पाठ के मूल भाव को समझना तथा अर्थ बोध की क्षमता का विकास।						
6.	जब सिनेमा ने बोलना सीखा							
7.	जहाँ पहिया है।			**Interpersonal**	डायरी (सात दिनों की लिखवाना)			
8 9 10.	अकबरी लोटा पानी की कहानी बाज और साँप							
11. *	टोपी भारत की खोज (पूरक पुस्तक) पृष्ठ संख्या 73 से अंत तक।							

		विशिष्ट उद्देश्य		**Intraper sonal**	कविता लेखन स्वानुभव प्रस्तुती	हिन्दी लोक कथाएँ पढ़ने के लिए देना।	व भावनात्मक कौशलो का विकास, संवाद लेखन कविता लेखन, अभिनय क्षमता का विकास करना। पारिभाषिक शब्दावली विकास।	
		5 एकल परिवार व संयुक्त परिवार की महत्ता व अंतर, कर्मठता व परिश्रम का महत्व।		**Kinesth etic Bodily**	नाटक मंचन परिवार पर आधारित कहानी को चित्र के माध्यम से प्रस्तुत करना। कहानी बनाओ।			
		6 फिल्मों व सिनेमा का ज्ञान, मूक फिल्म तथा सवाक् फिल्म का बढ़ता महत्व, अभिनय की प्रधानता, अंग्रेजी शब्दों का ज्ञान।		**Naturali stic**	प्रकृति का अवलोकन व दिए गए संबधित विष्य पर लेख व वर्ग पहेली।			
		7 साईकिल का महत्व पहिये द्वारा नए–नए आविष्कार, विज्ञान की उन्नति में पहिये का स्थान, ग्रामीण जीवन में साईकिल का स्थान।						
		8 सच्ची कहानी व काल्पनिक कहानी का महत्त्व, अकबर तथा जहाँगीर से पहचान						
		9 पानी की आवश्यकता, पानी की कमी व महत्व, जलधक्र की जानकारी, विभिन्न वैज्ञानिक क्रियाओं का ज्ञान						
		10 स्वतंत्रता की प्रेरणा, क्रिया शीलता, आत्म विश्वास						
		11 ग्रामीण भाषा का ज्ञान, टोपी का महत्व, सकारात्मकता, भाव नियंत्रण।						

CURRICULUM 2018-19
Class-VIII
Term-I + II
Subject – Hindi (हिन्दी)
(पद्य भाग)

S. No.	Concept	Objective	Skill	Learning Style	Activity	Subject integration	Outcome	Assessment
	पद्य भाग	(सामान्य उद्देश्य)	मौखिक कौशल, लिखित कौशल, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, मूल्यपूरक प्रश्न। पठन, वाचन, लेखन व श्रवण कौशल का विकास।	**Linguistic**	स्वरचित कविता (चिट्ठियों संबंधित)	हिन्दी साहित्य–अंग्रेजी भक्ति कालीन कवियों के विषय में चर्चा व अंग्रेजी में किस तरह उपमाएँ दी जाती हैं –उसकी हिन्दी के साथ तुलना।	छात्रों को दीन–दुखियों की सेवा व मदद करने की प्रेरणा मिलना संवेदनशीलता का विकास। ज्ञान को क्रियात्मक रूप देना समालोचनात्मक विवेचन करना। छात्रों में चिन्तन मनन व सृजनात्मकता का विकास वाचन, श्रवण, लेखन व पाठन कौशल का विकास काव्य के अर्थ–बोध की क्षमता का विकास भाव तथा काव्य सौंदर्य का ज्ञान। काव्य में रूचि लेते हुए कविता की रचना करना। स्वयं की पहचान।	कविता के विषय, काव्य बोध व सराहना को सरल शब्दों में अभिव्यक्त करने की क्षमता पर आधारित काव्यखंड के लघु प्रश्नों व अपठित काव्यांश का मूल्यांकन करना। कविता को चित्र के माध्यम से प्रस्तुत करने व कविता लिखने पर विभिन्न मापदंडो पर मूल्यांकन करना। कल्पना शक्ति व अभिव्यक्ति की क्षमता मूल्यांकन करना। काव्य लेखन द्वारा मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति (दोनों क्षमता का आकलन करना) (स्वानुभव प्रस्तुती व एकत्रित जानकारी को लिख
1	दीवानों की हस्ती	कविता के आनंद को अनुभव करना।	जीवन कौशल–सामाजिक कुशलता व भावनात्मक कुशलता का विकास, प्रभावशाली संप्रेषण का विकास। सृजनात्मक चिंतन का विकास। समालोचनात्मक चिंतन का विकास। निर्णय लेने की क्षमता का विकास। स्वयं की पहचान। स्वयं कविता लिखने की योग्यता का विकास, सस्वर	**Naturalistic / Musical**	कविता को चित्र के माध्यम से प्रस्तुती देना। विभिन्न पत्रों से संबंधित गीत गायन (संदेशे आते है.....) संगीत को महसूस करना।			
2	भगवान के डाकिए	लय तथा प्रवाह के साथ कविता का वाचन करना।						
3	यह सबसे कठिन समय नहीं	संवदेनशीलता का विकास तुकांत शब्दों को जल्दी से बनाना। कल्पना शक्ति का विकास/काव्य के भाव तथा काव्य सौंदर्य को समझना। रचनात्मक अभिव्यक्ति संबंधी क्रियाकलाप।						

4	कबीर की साखियाँ	विशिष्ट उद्देश्य	वाचन द्वारा कविता का भाव ग्रहण करने की क्षमता का विकास करना। भावाभिव्यक्ति व सुरूचि निर्माण					कर देने के अभ्यास द्वारा।
5	सूरदास के पद	1 दीन – दुखियों की मदद करने के भाव को जागृत करना, मानमौजी होना, दूसरों की खुशियों के लिए त्याग करने की भावना। अभाव में भी जीवन का आनंद उठाना व खुश रहना।		**Intraper sonal**	भक्तिकालीन कवियों की सूची बनाकर उनके विषय में जानकारी एकत्रित करने लिखना			
		2 सद् भाव एवं एकता का संदेश, प्रकृति व पक्षी प्रेम, चिट्ठियों का महत्व 3 आशावादी होने के भाव को जागृत करना, कल्पना–शक्ति में वद्धि, बिना रूके लगातार चलने के भाव को बढ़ावा देना, कर्त्तव्यनिष्ठता 4 स्वार्थहीनता की भावना का विकास, मनुष्यता, उदारता, त्याग, बड़प्पन की भावना का विकास।		**Intraper sonal** **Logical** **Kinesth etic** **Visual /Spatial**	''चिट्ठियाँ'' विषय पर चर्चा व स्वानुभव प्रस्तुती रचनाकार व रचनाओं के नाम (रचानाकार के नाम ठीक करके लिखना) क्या आप बड़े–बूढ़ो का कहना मानते हैं। यदि हाँ तो बताओ किस तरह? कविता को चित्रित कर बिम्ब विधान को योजित करना।			
		5. ममत्व, श्री कृष्ण की बाल लीला, खेला–खेल में माँ पुत्र का प्रेम। भक्तिकाल की मुख्य धाराओं कृष्ण भक्ति का ज्ञान कराना।						